सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादक: रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajin-

swarajindianews

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, सोमवार, 22 सितम्बर, 2025
वर्ष: 02, अंक: 249, पृष्ठ: 8+4, मूल्य: ₹ 2/-

इनसाइड एक प्रेमिका के खातिर दूसरी प्रेमिका को सुलाया मौत की.. » Pg02

बिल्हौर: बीआईसी मैदान में टोटके से... » Pg04

गोरखपुर में सीएम ने व्यापारियों से लिया फीडबैक

जीएसटी उत्सव में सड़क पर उतरे मुख्यमंत्री योगी

दुकानदारों-ग्राहकों से किया जनसंपर्क, 'गर्व से कहो यह स्वदेशी है' का पोस्टर लगाने को कहा

» रतन प्रकाश सिंह, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

गोरखपुर। अगली पीढ़ी के लिए जीएसटी सुधार यानि नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म सोमवार से लागू हो गए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे लेकर प्रदेश सरकार द्वारा पूर्व में तय जीएसटी रिफॉर्म जागरूकता अभियान के पहले चरण की शुरुआत खुद व्यापारियों और ग्राहकों के बीच जनसंपर्क करके की। सोमवार की सुबह गोरखपुर में सीएम योगी सड़क पर उतरे। उन्होंने झूलेलाल मंदिर से गोरखनाथ मंदिर मार्ग तक कारोबारी प्रतिष्ठानों में जाकर कारोबारियों और वहां मिले ग्राहकों से बात की, जीएसटी सुधारों पर उनकी प्रतिक्रिया जानी। उन्होंने कारोबारियों से आग्रह किया मोदी सरकार से उपहार स्वरूप घटी जीएसटी का लाभ ग्राहकों को अवश्य दें और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिष्ठानों पर 'गर्व से कहो यह स्वदेशी है' का पोस्टर जरूर लगाएं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में जीएसटी परिषद ने तीन सितंबर की बैठक में कर सुधारों का निर्णय लिया था। ये निर्णय सोमवार से प्रभावी हो गए। इसे लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 22 सितंबर से 29 सितंबर तक 'जीएसटी रिफॉर्म जागरूकता अभियान' का पहला चरण शुरू करते हुए आज सोमवार को उन्होंने खुद पदयात्रा, जनसंपर्क और संवाद से किया। उन्होंने मार्ग पर स्थित कई दुकानों में जाकर व्यापारियों और ग्राहकों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने जीएसटी की घटी दरों को लेकर उनसे संवाद किया। उन्हें जीएसटी की घटी दरों से संबंधित एक स्टीकर और गुलाब का फूल दिया। साथ ही कहा कि जीएसटी की घटी दरों का लाभ ग्राहकों को जरूर दीजिए। इससे आपका कारोबार और समृद्ध होगा। इसके बाद मुख्यमंत्री पैदल चलकर न्यू स्वीट्स पैलेस पर आए। यहां उन्होंने दुकानदार बिहारी लाल और जतिन लाल से जीएसटी की कम हुई दरों पर संवाद किया।

सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, एमएलसी और भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, महानगर संयोजक राजेश गुप्ता, नगर निगम के उप सभापति पवन त्रिपाठी आदि भी साथ पदयात्रा में शामिल रहे।

स्टाइल बाजार में चस्पा किए स्टीकर

अभियान के दौरान सीएम योगी सबसे पहले स्टाइल बाजार गए। यहां प्रतिष्ठान के उच्च प्रबंधन ने उनका स्वागत किया। यहां मुख्यमंत्री ने खुद प्रतिष्ठान के मुख्य द्वार पर जीएसटी की घटी दरों का स्टीकर चस्पा किया। दुकानदार द्वारा यह बताए जाने पर कि 12 प्रतिशत घटकर 5 प्रतिशत हो गया है, सीएम ने कहा कि इससे आपका बाजार और मजबूत होगा। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देते हुए ग्राहकों को कम हुई जीएसटी का फायदा जरूर दीजिए।

हवा में हड़कंप

पायलट ने नहीं खोला कॉकपिट, पुलिस कर रही पूछताछ

एयर इंडिया का विमान हाइजैक की आशंका? हिरासत में नौ लोग

» वाराणसी, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

बंगलुरु से वाराणसी आ रहे एयर इंडिया के विमान के कॉकपिट का दरवाजा दो यात्रियों ने खोलने की कोशिश की। कॉकपिट में घुसने के लिए सही पासकोड भी डाल दिया था। पायलट ने हाईजैक की आशंका में गेट नहीं खोला। इसकी जानकारी एटीसी को दी। वहां से सुरक्षा एजेंसियों को सूचना दी गई। वाराणसी में सुरक्षित लैंडिंग के बाद कॉकपिट गेट खोलने की कोशिश करने वाले दोनों यात्रियों समेत कुल नौ लोगों को हिरासत में लिया गया है। वाराणसी पुलिस के साथ ही खुफिया एजेंसिंया हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ में जुटी हैं। विमान में कुल 163 यात्री सवार थे। विमान का वाराणसी में उतरने का समय 10.45 है लेकिन पूरे घटनाक्रम के बीच 10.22 पर ही विमान उतार लिया गया।

एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान आईएक्स 1086 बेंगलुरु से अपने निर्धारित समय से उ?ान भरकर सोमवार की सुबह वाराणसी आ रहा था। विमान के हवा में आने के कुछ देर बाद ही दो यात्रियों ने कॉकपिट में जाने के लिए बने केबिन गेट को खोलने की कोशिश की। पासवर्ड से खुलने वाले दरवाजे में सही पासकोड भी डाल दिया था। उड़ते विमान में कॉकपिट खोलने के लिए पासकोड डालते ही पायलट के बाद इसकी सिग्नल पहुंचा। पायलट ने सीसीटीवी में देखा तो सहम गए। वहां दो यात्री दिखाई दिए। विमान के अपहरण के डर से कैप्टन ने दरवाजा नहीं खोला।

पायलट ने इसकी जानकारी तत्काल एटीसी को दी। एटीसी ने सुरक्षा में तैनात सीआरपीएफ को सतर्क किया। वाराणसी के बाबतपुर एयरपोर्ट पर विमान की सुरक्षित लैंडिंग के बाद सीआरपीएफ जवानों ने कॉकपिट खोलने का प्रयास करने वाले दोनों यात्रियों समेत कुल नौ लोगों को हिरासत में लिया है। सभी को बाबतपुर पुलिस चौकी लाकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के साथ ही खुफिया एजेंसियां में पूछताछ में जुटी हैं। वाराणसी के डीसीपी वरुणा जोन आकाश पटेल भी पकड़े गए यात्रियों से पूछताछ के लिए पहुंचे हैं।

एक प्रेमिका के खातिर दूसरी प्रेमिका को सुलाया मौत की नींद

» 2 महीने तक पुलिस और परिवार को गुमराह करता रहा आरोपी सूरज

» इंस्टाग्राम पर हुई थी दोस्ती, लिव-इन में रहने लगी थी पीड़िता

हत्या के बाद दोस्त संग शव को सूटकेस में भरकर यमुना में फेंका

हत्यारे सूरज के साथ मृतका प्रेमिका आकांक्षा

लाश को ठिकाने लगाने में मदद करने वाला दोस्त आशीष

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। आकांक्षा उर्फ माही (20) की हत्या ने पूरे शहर को हिला दिया है। बिंदकी फतेहपुर निवासी आरोपी सूरज कुमार ने पहले उसे इंस्टाग्राम पर दोस्त बनाया और धीरे-धीरे यह रिश्ता लव-लिव-इन तक पहुंच गया। दोनों पहले एक रेस्टोरेंट में काम करते थे, फिर सूरज के कहने पर आकांक्षा ने नौकरी बदल दी और हनुमंत विहार इलाके में किराए के मकान में रहने लगी। वहीं सूरज अक्सर उससे मिलने आता-जाता था।

रूरा कानपुर देहात में रहने वाली मां विजयश्री ने बताया कि बेटी पढ़ाई के साथ नौकरी भी कर रही थी। पहले वह बड़ी बहन प्रतीक्षा के साथ बर्रा में रहती थी,

लेकिन बाद में अलग होकर किराए के मकान में शिफ्ट हो गई। मां को हमेशा इस रिश्ते को लेकर आशंका रहती थी, क्योंकि सूरज कई बार गलत तरीके से पेश आता था।

मां को शक हुआ, आरोपी आकांक्षा बनकर करता रहा मैसेज

हत्या से पहले ही आकांक्षा की मां विजयश्री को शक हो गया था। उन्होंने बताया कि जब उनका बेटा दिल्ली गया तो उसका फोन घर पर छूट गया था। इसी फोन से वह बेटियों से संपर्क करती थीं।

यही नंबर आकांक्षा ने 'भइया' के नाम से सेव कर रखा था।22 जुलाई को जब मां ने मैसेज किया तो उधर से जवाब मिला- भइया, मैं बाद में बात करूंगी। इस पर मां को तुरंत शक हुआ कि मोबाइल कोई और चला रहा है। वह तुरंत पुलिस के पास गईं और बेटी की सुरक्षा को लेकर शिकायत दर्ज कराई। लेकिन शुरुआती दौर में उनकी सुनवाई नहीं हुई।

इसके बाद विजयश्री ने पुलिस कमिश्नर से लेकर 1090 पर कॉल कर शिकायत की। दबाव के बाद आखिरकार 8 अगस्त को गुमशुदगी दर्ज की गई। इस बीच आरोपी सूरज, परिवार के साथ मिलकर बेटी की तलाश करता रहा और खुद को मासूम साबित करने की कोशिश करता रहा।

मर्डर के बाद सेल्फी ली, दोस्त संग शव को नदी में फेंका

डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि आरोपी ने पुलिस पूछताछ में हत्या की बात कबूल कर ली है। उसने बताया कि 21 जुलाई को रेस्टोरेंट में दोनों में झगड़ा हुआ था। इसके बाद जब रात करीब 10-30 बजे वे कमरे पर लौटे तो मारपीट बढ़ गई। गुस्से में आकर सूरज ने आकांक्षा का गला दबाकर उसकी हत्या कर दी।हत्या के बाद उसने खानपुर फतेहपुर निवासी अपने दोस्त आशीष को बुलाया। दोनों ने मिलकर आकांक्षा के शव को सूटकेस में भरा और बाइक पर रखकर लगभग 100 किलोमीटर दूर बांदा के चिल्ला पुल से यमुना नदी में फेंक दिया। इतना ही नहीं, सबूत मिटाने के लिए सूरज ने 25 जुलाई को कानपुर सेंट्रल जाकर एक ट्रेन में अपना मोबाइल छोड़ दिया ताकि उसकी लोकेशन कहीं और ट्रेस हो।

पुलिस जांच में टूटा आरोपी, सीडीआर से खुला राज

शुरुआत में सूरज पुलिस को गुमराह करता रहा। वह परिवार और पुलिस के साथ मिलकर आकांक्षा की तलाश करता और झूठे सुराग देता रहा। लेकिन जब पुलिस ने आकांक्षा की लोकेशन और मोबाइल बातचीत के सबूत रखे तो सूरज टूट गया और जुर्म कबूल कर लिया।डीसीपी ने बताया कि कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और सर्विलांस की मदद से सच्चाई सामने आई। आरोपी ने हत्या के बाद अपनी दूसरी गर्लफ्रेंड को सबूत के तौर पर आकांक्षा के साथ ली गई सेल्फी भी भेजी थी। आरोपी ने यह बात कबूली है कि उसने अपनी दूसरी प्रेमिका के खातिर ही आकांक्षा की हत्या की है। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और शव की बरामदगी के लिए प्रयागराज, बांदा और कौशांबी में टीमें लगाई गई हैं।

करोड़ों की ठगी का मास्टरमाइंड गजेंद्र नेगी गिरफ्तार

» पुलिस ने दिखाई जेल की राह

» लंबे समय से था फरार ऑपरेशन महाकाल के तहत हुई गिरफ्तारी

» 20 से अधिक मुकदमों में है वांछित अब होगी गैंगस्टर की कार्यवाही

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। करोड़ों की ठगी और रंगदारी के मामलों में फरार चल रहा कथित रियल इस्टेट कारोबारी गजेंद्र सिंह नेगी आखिरकार पुलिस की गिरफ्त में आ गया। पुलिस ने रविवार को उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया। इससे पहले शनिवार को वह तीन अधिवक्ताओं के साथ लखनऊ भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन पुलिस ने सर्विलांस की मदद से गंगा बैराज के पास दबोच लिया।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, गजेंद्र नेगी के खिलाफ कल्याणपुर और रावतपुर थानों में धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज़ बनाने, हत्या के प्रयास, रंगदारी वसूली और गैंगस्टर एक्ट समेत 20 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। ऑपरेशन महाकाल की कार्रवाई के बाद उसके खिलाफ पीड़ितों ने बड़ी संख्या में केस दर्ज कराए थे।

नकली एग्रीमेंट पर करोड़ों वसूले, धमकाकर चुप कराता था

गजेंद्र नेगी खुद को रियल इस्टेट डेवलपर बताकर लोगों को फ्लैट और दुकान दिलाने का झांसा देता था। वह नकली एग्रीमेंट करके पीड़ितों से मोटी रकम ऐंठ लेता था।

जब लोग रजिस्ट्री की मांग करते, तो वह अपने साथियों संग उन्हें बंधक बनाकर मारपीट करता और जान से मारने की धमकी देता।आरोपित खुद को अधिवक्ता भी बताता था और काला कोट पहनकर लोगों पर धौंस जमाता था। पुलिस का कहना है कि नेगी को रिमांड पर लेकर और भी कई राज खोले

जाएंगे। थाना प्रभारी कृष्ण कुमार मिश्र ने बताया कि कोर्ट में पेशी के बाद उसे जेल भेज दिया गया है और अब गैंग के बाकी सदस्यों की तलाश की जा रही है।

नकली शादी बन रही है शौक लेकिन क्या ये पैसे की बर्बादी नहीं?

कानपुर में फेक वेडिंग पार्टी पर राजनीति और आलोचना तेज

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शादी जैसा तमाशा, पर बिना दूल्हा-दुल्हन के – और सवाल ये कि इस नए ट्रेंड पर खर्च किए जा रहे पैसे समाज के लिए कितने वाजिब हैं। शनिवार को मैनावती मार्ग स्थित प्रेसिडेंट रायल हाल में रोटरी क्लब ऑफ सूर्य द्वारा आयोजित फेक वेडिंग पार्टी ने रंगारंग माहौल तो बनाया, लेकिन कुछ लोग इसे दिखावे और धन की बर्बादी बताते हुए नरम नहीं पड़े।इवेंट में देसी ड्रेस कोड, मेहंदी आर्टिस्ट, ढोल-डागा, शादी जैसी सजावट, फोटो बूथ और पंजाबी-हिंदी गानों का आयोजन था – सब कुछ बिल्कुल असली शादी जैसा। आयोजकों ने इसे 'मनोरंजन और सोशल मीडिया कंटेंट' का साधन बताया, जबकि आलोचक इसे युवा-ऊर्जा वर्षा की आड़ में बेहिसाब खर्च और प्राथमिकताओं के विस्थापन के रूप में देख रहे हैं।

दूल्हा न दुल्हन ,,, फर्जी शादी का चलन

आलोचकों का कहना है कि ऐसे घटनाक्रम तब और चिंताजनक हो जाते हैं जब कामकाजी परिवार, आम नागरिक और छोटे कारोबार आर्थिक तंगी झेल रहे हों। शादी का माहौल उपभोग का उत्सव बन गया है — पर सवाल ये है कि क्या समाज को इतने दिखावटी आयोजनों के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए? एक सामाजिक कार्यकर्ता ने नाम न बताने की शर्त पर कहा।

नकली शादियों का आर्थिक पक्ष भी चर्चा में है। कुछ अनुमानों में 2025 में फेक वेडिंग बजट इवेंट (1,500–3,000) का बाजार 42.6ब्न तक पहुंचने का अनुमान बताया जा रहा है, और जेनरेशन (18–26 वर्ष) का हिस्सा 36.6ब्न होने की चर्चा है।

दिल्ली में कथित तौर पर 10 लाख तक के बजट वाली नकली शादी की खबरें भी मीडिया में आईं — जिससे यह ट्रेंड अब केवल शौक नहीं, बल्कि व्यवसाय भी बनता दिखता है।

राजनीतिक पटल पर भी यह मामला चिंतन योग्य है। विपक्षी नेताओं और सामाजिक आंदोलनों के सक्रिय सदस्यों का कहना है कि स्थानीय संस्थाएँ और क्लब मनोरंजन के बहाने खर्च-आदतों को सामान्य कर रहे हैं, जब कि बेहतर है ये संसाधन शिक्षा, स्वास्थ्य या सार्वजनिक कल्याण के छोटे-मोटे प्रोजेक्ट्स में लगाए जाएँ। जब गरीब परिवार सस्ते दवा, साफ़ पानी और बेसिक सुविधाओं के लिए तरस रहे हों, तब ऐसे महंगे कार्यक्रमों की शोभा कहां?

एक नगर पार्षद ने सवाल उठाया

दूसरी ओर आयोजकों का तर्क है कि यह केवल एक सामाजिक कार्यक्रम है — मनोरंजन, रोजगार और छोटे कलाकारों के लिए अवसर देता है।

क्लब के सदस्यों ने बताया कि मेहंदी कलाकार, ढोलवाले और सजावट के व्यवसायियों को मौका मिला और युवा प्रतिभाओं को मंच मिला। स्थानीय स्तर पर छोटे-मध्यम उद्यमों के लिए ऐसे इवेंट कभी-कभी मौसमीय आमदनी का जरिया बनते हैं।

हालाँकि आर्थिक और सामाजिक दोनों तर्कों के बीच संतुलन की जरूरत साफ़ नजर आती है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि यदि ऐसे आयोजनों को बढ़ावा देना है तो पारदर्शिता और सामाजिक जवाबदेही के

साथ — जैसे टिकट की कीमत का एक हिस्सा चैरिटी को देना, या इवेंट-बजट का कोई हिस्सा स्थानीय विकास कार्यों में लगाया जाए — ताकि दिखावा और वास्तविक ज़रूरतों के बीच की खाई कम हो सके।

कानपुर के इस फेक वेडिंग ट्रेंड ने एक बड़ा सवाल उठाया है- क्या युवा-मनोरंजन और सोशल मीडिया कंटेंट के लिए होने वाला जमावड़ा सांस्कृतिक नवाचार है या सामजिक प्राथमिकताओं से भटकाने वाला फैंसी शौक? चर्चा जारी है — और अगले चुनावी चक्र में स्थानीय राजनीति में यह मुद्दा जरूर उबरेगा।

चित्रगुप्त पूजन सेवा समिति का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

90 युवाओं ने लिया समाज सेवा का संकल्प

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर।चित्रगुप्त पूजन सेवा समिति (युवा प्रकोष्ठ) का भव्य शपथ ग्रहण समारोह रविवार को रूबी हाल, गेंजेस क्लब, आर्यनगर में उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना, आरती और दीप प्रज्वलन से हुआ। संचालन प्रखर श्रीवास्तव ने किया।समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी, कानपुर उत्तर के जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि 卐चित्रगुप्त पूजन सेवा समिति कानपुर की एक अग्रणी संस्था है, जो प्रतिवर्ष भाई दूज पर भव्य कायस्थ सम्मेलन आयोजित करती है।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष अभिमन्यु सक्सैना ने सभी पदाधिकारियों को शपथ दिलाई और मुख्य अतिथि का मोमेंटो भेंट कर सम्मान किया। उन्होंने कहा,卐युवा प्रकोष्ठ परिवार की तरह है। बुजुर्गों के मार्गदर्शन में मिलजुलकर कार्य करना ही हमारी प्राथमिकता है।

यह आयोजन समिति के इतिहास में पहली बार हुआ है और इसे परंपरा के रूप में आगे भी जारी रखा जाएगा।समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती वंदना निगम (अध्यक्ष), गोपी श्रीवास्तव (संरक्षक), वरिष्ठ पत्रकार अंजनी निगम, अनूप निगम (निवर्तमान अध्यक्ष), पवन सक्सैना (राष्ट्रीय अध्यक्ष, युवा अखिल भारतीय कायस्थ महासभा), दीपेश श्रीवास्तव (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), ऋषभ श्रीवास्तव (कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष), अनुराग निगम (कोषाध्यक्ष), पंकज श्रीवास्तव एडवोकेट (मुख्य सलाहकार) सहित कई

गणमान्य लोग मंचासीन रहे।

वक्ताओं ने समाज की शिक्षा, सरलता और सेवा भावना पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। पवन सक्सैना ने कहा कि कायस्थ समाज शिक्षा और प्रशासन में अग्रणी है, अब राजनीति में भी संगठित होकर अपनी प्रभावी भूमिका निभानी होगी। वहीं दीपेश श्रीवास्तव ने कहा कि 卐कायस्थ समाज की लेखनी और बुद्धि ही देश की प्रगति की धुरी है।

अध्यक्षता कर रही श्रीमती वंदना निगम ने सभी अतिथियों का आभार जताते हुए नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर प्रकाश श्रीवास्तव, विष्णु सहाय, सर्वेश श्रीवास्तव, यश निगम एडवोकेट, सूरज निगम एडवोकेट, लाला इंद्रसेन श्रीवास्तव, राजन सक्सैना, अश्विनी जौहरी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा लगभग 90 युवाओं द्वारा भगवान चित्रगुप्त के समक्ष समाज सेवा का निस्वार्थ भाव से लिया गया शपथ संकल्प, जिसने आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया।

सुबह-सुबह बाली और पूजा सामग्री देखकर मचा हड़कंप

बिल्हौर: बीआईसी मैदान में टोटके से सनसनी, सहमे मॉर्निंग वॉकर

कोई मैदान छोड़ भागा, कोई नजर तक डालने से कतराया

मैदान में बिखरी पानी और शराब की बोतलें, टोटके और मुर्गे की बलि का सामान देखकर स्थानीय नागरिकों में फैली दहशत।

» रिजवान कुरैशी, स्वराज इंडिया।

बिल्हौर(कानपुर) कस्बे का इकलौता बीआईसी मैदान सोमवार सुबह टहलने वालों के लिए डर का सबब बन गया। सुबह-सुबह जब लोग सैर को पहुँचे तो मैदान के एक कोने में टोटके का खौफनाक सामान बिखरा पड़ा मिला।

»अंधेरा होते ही नशेड़ियों का अड्डा बन जाता है मैदान।

अंडा,मुर्गा, जानकर का बच्चा कटा हुआ पड़ा था, खून के धब्बे, लाल कपडे में नारियल, नींबू, बाली, चूड़ी, सुई, सिंदूर और श्रृंगार का सामान सब देख लोग सन्न रह गए। इससे मॉर्निंग वॉकरों में अफरा-तफरी मच गई।

मैदान अब सुरक्षित नहीं रहा। मैदान में गंदगी और खतरनाक कांच बिखरे हुए हैं। बड़ी-बड़ी झाड़ियाँ और कूड़ा मैदान को और असुरक्षित बना रहा है। मैंने कई बार खुद ही इन कांच के टुकड़ों को हटाया, लेकिन समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है। कोई दूसरा मैदान भी नही है। मजबूरी में यहीं मॉर्निंग वॉक करते हैं।

- दामिनी, स्थानीय नागरिक

ये रोज़ का हो गया है शाम को यह मैदान अराजक तत्वों का अड्डा बन जाता है। मेरे हस्बैंड ने कई बार पुलिस को सूचना दी। आसपास बस्ती बनी है। सुबह कई महिलाएँ और लड़कियाँ भी मॉर्निंग वॉक करने आती हैं। कांच बिखरा रहने से पैर में चुभने का डर हमेशा बना रहता है। आज जिस साइड टोटका पड़ा था,उस साइड तो कोई भी नहीं गया।

- यति सैनी,एडवोकेट

इस नजारे को देखकर कोई मैदान छोड़ भाग निकला तो कोई टोटके की ओर आँख उठाकर भी देखने से कतराता रहा। वहीं कुछ लोग मैदान के दूसरी ओर ही एक्सरसाइज करते दिखे। कुछ महिलाएँ सहमकर तुरंत घर लौट गईं। लोगों ने कहा कि मैदान रोज़ सैकड़ों लोगों की सुबह की रौनक है। बच्चे यहाँ खेलकूद करते हैं। ऐसे में अचानक टोटका मिलना बेहद चिंताजनक है। आसपास के लोग इसे अशुभ मानते हुए बच्चों को मैदान भेजने से रोकने लगे। कुछ लोग इसे अंधविश्वास मान रहे हैं तो कहीं किसी शरारती की करतूत बताया जा रहा है। लेकिन फिलहाल बीआईसी मैदान डर और चर्चा का सबसे बड़ा मुद्दा बना हुआ है।

तैयारी के बीच जोखिमः बीआईसी मैदान बना चुनौतीपूर्ण और कूड़ाघर

आपको बताते चलें कि यह वही बीआईसी मैदान है, जहाँ पुलिस और सुरक्षा फोर्स की तैयारी कर रहे कई युवा रोज़ाना एक्सरसाइज और रनिंग के लिए आते हैं। जहाँ सुबह-शाम युवा पुलिस व आर्मी की तैयारी के लिए दौड़ते हैं और स्वस्थ रहने के लिए लोग मॉर्निंग वॉक करने आते हैं, वही मैदान अब अराजक तत्वों का अड्डा बन गया है। शराब पीकर बोतलें तोड़ दी जाती हैं और जगह-जगह कांच के टुकड़े बिखरे रहते हैं। इतना ही नहीं, कुछ पाखंडी विचारधारा के लोगों ने मैदान को टोना-टोटका का ठिकाना बना लिया है। मुर्गा, सूअर काटकर व अन्य वस्तुएँ फेंक दी जाती हैं, जिससे लोगों में भय का माहौल व्याप्त है।

शाम को सज जाती हैं नशेबाजों की महफिल

शाम ढलते ही बीआईसी मैदान सैर-सपाटे का नहीं, बल्कि नशेबाजों का अड्डा बन जाता है। टोली बनाकर शराब की बोतलें खुलती हैं और जाम पर जाम छलकते हैं। देर रात तक हंगामा चलता है। नतीजा यह कि सुबह मैदान में हर तरफ बोतलें, टूटा गिलास और कांच के टुकड़े बिखरे रहते हैं। यही वजह है कि टहलने वालों को यहाँ कदम रखते डर लगने लगा है।

- एडवोकेट विनय कुमार गौतम

लेकिन साफ-सफाई और रख-रखाव की कमी ने इस मैदान को उनके लिए खतरनाक बना दिया है। मैदान में बिखरे कांच के टुकड़े और अव्यवस्थित झाड़ियां उनके अभ्यास को जोखिम भरा बना रहे हैं।

विष कन्या- सुंदरी के नाम की हो रही चर्चा

सूत्र बताते हैं कि बीआईसी मैदान का एक कोना अब विष कन्या और सुंदरी के नाम से चर्चित युवती का नया अड्डा बन चुका है। अब जीटी रोड नहीं,बल्कि इसी मैदान के कोने में उसके क्लाइंट उससे मिलने आते हैं। कुछ लोग पहले से ही शराब की बोतलें लेकर इंतजार करते हैं। डील पूरी होने के बाद उन्हें पास के किसी स्थान पर रात रंगीन करने ले जाया जाता है।हालांकि पुलिस ने इससे पहले स्वराज इंडिया अख़बार में प्रकाशित खबरों के आधार पर शिकंजा कसा था, जिससे युवती ने क्षेत्र छोड़ दिया था। लेकिन अब वह फिर से रात में सक्रिय हो रही है और अपने अड्डे भी बदल दिए हैं। पुलिस इस मामले में अब हाथ डालने से बच रही है।

जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक

बिल्हौर विधानसभा में स्वास्थ्य केंद्रों को मिलेंगी नई सुविधाएं

»विधायक निधि से वाटर कूलर और स्टील बेंचें लगाई जाएंगी

»जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता, स्वास्थ्य व मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने का संकल्प

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र के चारों सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों और उनके परिजनों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए विधायक निधि से विकास कार्य शुरू किए गए हैं। विधायक मोहित सोनकर राहुल बच्चा ने बताया कि प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र पर 2-2 वाटर कूलर और 6-6 स्टील की बेंचें लगाई जा रही हैं। इसके अलावा 50 शैया एकीकृत आयुष चिकित्सालय, निगोहा, चौबेपुर में भी 1 वाटर कूलर और 4 स्टील की बेंचें स्थापित की जा रही हैं।

विधायक ने कहा कि यह पहल जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उनका उद्देश्य है कि स्वास्थ्य केंद्र पर आने वाले हर मरीज और उसके परिजन को स्वच्छ पेयजल और बैठने की उचित व्यवस्था मिले। इससे गर्मी में राहत के साथ इलाज और अधिक सुगमता से हो सकेगा।मोहित सोनकर ने आगे कहा, छोटे-छोटे प्रयास भी बड़ा बदलाव ला सकते हैं। ये विकास कार्य उसी दिशा में उठाया गया एक कदम है। भविष्य में भी स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए हम निरंतर प्रयासरत रहेंगे।विधायक ने अपनी निधि से इन स्वास्थ्य केंद्रों में सुविधाओं के विस्तार का काम सीधे जनता की भलाई और आराम के लिए सुनिश्चित किया है।

ककवन सीएचसी में लगा विशेषज्ञ स्वास्थ्य शिविर

»पूर्व जिला पंचायत सदस्य रहे मुख्य अतिथि।

»सीएमओ ने शिविर का किया निरीक्षण।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

ककवन/बिल्हौर (कानपुर)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस से प्रारंभ सेवा पखवाड़ा के तहत रविवार को ककवन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में विशेषज्ञ स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन पूर्व जिला पूर्व जिला पंचायत सदस्य अखिलेश अवस्थी ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। इस अवसर पर सीएमओ कानपुर नगर और अधीक्षक ने शिविर का निरीक्षण किया और स्वास्थ्य केंद्रों की व्यवस्था बेहतर करने के निर्देश दिए। विशेष तौर पर उन्होंने उपेक्षित पड़े उपकेंद्रों और वेलनेस सेंटरों को व्यवस्थित करने पर जोर दिया।

फीता काटकर स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ करते पूर्व जिला पंचायत सदस्य।

शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और मुफ्त स्वास्थ्य जांच और परामर्श प्राप्त किया। उपस्थित ग्रामीणों ने बताया कि ऐसे शिविरों से उनकी स्वास्थ्य संबंधी परेशानियाँ कम होती हैं और वे नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व को समझ पाते हैं।कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष शानू राठौर, कौशल तिवारी, अजयदीप त्रिपाठी, राहुल पांडेय, हर्ष दुबे सहित कई स्थानीय कार्यकर्ता और स्वास्थ्यकर्मी भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शिविरों से ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का प्रसार और जागरूकता बढ़ती है।

सम्पादकीय

आस्था की ऊर्जा से साधें संकल्प

रविवार को हमने अमावस्या पर पितृ-विसर्जन के जरिये हमारे जीवन को समृद्ध करने वाले पुरखों को पुण्य स्मरण कर विदा किया। सोमवार का सूरज नवरात्र की बहुआयामी शक्ति से पूरे देश में आस्था का उल्लास और उमंग भर रहा है। नवरात्र के साथ ही देश में पर्व-त्योहारों की ऐसी शृंखला शुरू हो जाती है, जो जनमानस के तन-मन को ही नहीं, देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई दे जाती है। ऐसे वक्त में जब देश अमेरिका के ट्रैरिफ आतंक से जूझ रहा है, स्वदेशी का मंत्र हमारी आर्थिक व राष्ट्रीय संप्रभुता का संरक्षक बन सकता है। निस्संदेह, दूसरे देशों पर हमारी आर्थिक निर्भरता हमारी अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी दुश्मन है।

ये विदेशी का मोह, कहीं न कहीं राष्ट्रीय सरोकारों से हमारे विमुख होने का पर्याय भी है। देश में आर्थिक संपन्नता आई तो साथ ही विदेशी वस्तुओं को सम्मोहन भी बढ़ा है। हम स्वदेशी के उस मंत्र को भूल गए, जिसने परतंत्र भारत को आजाद कराने व ब्रिटिश सत्ता की चूलें हिलाने में बड़ी भूमिका निभाई थी। नवरात्र का पर्व व्रत और शक्ति की आराधना का पर्व है। ऐसी शक्ति जिससे राष्ट्र, समाज व व्यक्ति का कल्याण हो सके। ऐसे वक्त में जब लगातार भारत विरोधी कदम उठा रही ट्रंप सरकार ने भारतीय प्रतिभाओं पर अंकुश लगाने के लिये एच-1 बी वीजा को अस्त्र बनाया है, हमें अपनी प्रतिभाओं को देश में सहेजने का प्रयास करना चाहिए। देश के नीति-नियंताओं को मंथन करना होगा कि अमेरिका के लिये महकने वाली प्रतिभाएं देश को क्यों नहीं महका सकती?

यह अच्छी बात है कि नवरात्र पर्व की शुरुआत जीएसटी सुधारों के साथ हो रही है। अब तक दैनिक उपभोग की वस्तुओं व दवाओं आदि पर अतार्किक शुल्क लगाया गया था। जिसे बहुत पहले ही सुधार लिया जाना चाहिए था। देर आए दुरुस्त आए की तर्ज पर कहा जा सकता है कि अब लोगों की बचत बढ़ेगी। बचत बढ़ने से लोगों की क्रय शक्ति बढ़ेगी और बाजार को गति मिलेगी। कुल मिलाकर स्वदेशी अर्थव्यवस्था गतिमान होगी, भारतीय-उद्योग धंधों को संबल मिलेगा और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। निस्संदेह, जीएसटी दरों में कमी और पर्व-त्योहारों के इस मौसम में देश के असंगठित क्षेत्र को शक्ति मिलेगी, जो रोजगार का सबसे बड़ा स्रोत भी है। नवरात्र के व्रत का पहला संकल्प हमारी आस्था और सेहत से है। देश आज मोटापे और उससे उत्पन्न गैर संक्रामक रोग मधुमेह, उच्च रक्तचाप तथा हृदयाघात से जूझ रहा है। इस नवरात्र के दौरान हम अपने खानपान को संयमित करके आस्था के संबल के साथ अपनी सेहत में सुधार कर सकते हैं। हमारे पर्व-त्योहार गहरे तक हमारे व्यावहारिक जीवन से जुड़े हैं। उनके गहरे निहितार्थों को समझने की जरूरत है। ये पर्व व त्योहार महज कर्मकांड ही नहीं है, इसके व्यक्ति, समाज और अर्थव्यवस्था के लिये गहरे संदेश हैं। इस तरह नवरात्र बेटियों को शक्तिशाली बनाने, लैंगिक भेदभाव खत्म करने और समाज में तनाव-अवसाद दूर करके व्यक्ति और समाज को स्वस्थ बनाने का पर्व है। हमें पर्व के मर्म को समझना है।

कश्मीर की जटिल पहेली के निहितार्थ

ज्योति मल्होत्रा

इस जटिलता की मार्गदर्शक व्याख्या वाजपेयी से बेहतर कोई नहीं कर सका, जब 2003 में उन्होंने श्रीनगर यात्रा में कहा, 'भारत कश्मीरियों से इंसानियत, कश्मीरियत और जम्हूरियत के दायरे में बात करेगा'।

दिल्ली उच्च न्यायालय में यासीन मलिक का शपथपत्र, जिससे एक बड़ा बवाल खड़ा हो सकता था, सिर्फ इस वजह से क्योंकि यह रहस्योद्घाटित करता है कि पिछले तीन दशकों में विभिन्न विचारधाराओं वाली सरकारों ने कैसे इस कश्मीरी अलगाववादी नेता को कभी दुलारा तो कभी झटक दिया। यह हलफनामा उसी माह में आया है जब एक साल पहले जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव हुए थे।शायद कुछ लोग उबासी लेते हुए पूछेंगे, कौन यासीन मलिक? अन्य, जिन्हें 1989 में तत्कालीन गृहमंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रुबैया के अपहरण और 1990 में कश्मीर में चार वायुसेना अधिकारियों की निर्मम हत्या में यासीन की भूमिका के बारे में पता होगा।

उन्हें पता होगा कि यासीन को तब से लेकर अब तक, हर प्रधानमंत्री- चंद्रशेखर, पीवी नरसिम्हा राव, आईके गुजराल, अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह के अलावा प्रधानमंत्री मोदी के पहले कार्यकाल में भी वार्ताकारों ने डोरे डाले। एक तरह से, मलिक का हलफनामा पिछले दशकों के कश्मीर का कहानीनामा है। यह शक्तिशाली भारतीय राज्य द्वारा इस अशांत क्षेत्र में शांति लाने हेतु अनेक प्रयोगों को समेटे हुए है-यासीन जैसे अतिवादी और मीरवाइज़ उमर फारूक जैसे उदारवादी नेताओं के अतिरिक्त हिज़बुल मुजाहिदीन के नेताओं को लुभाना, इस आस में, कि ये अलगाववादी पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं को नया अध्याय बनाने पर मना लेंगे- और यह भारत और पाक के नेताओं के बीच एक ठोस वार्ता प्रक्रिया की ज़मीन तैयार करने में मददगार रहेगा।कम-से-कम 16 सालों तक, 1998 में बाजपेयी के प्रधानमंत्री बनने से लेकर 2014 में मनमोहन सिंह के सत्ता गंवाने तक, भारतीय राज्य ने ऐसी महत्वाकांक्षी त्रिकोणीय वार्ताओं की कोशिशें जारी रखी- भारत के कश्मीरी अलगावादियों और पाकिस्तान के मध्य, भारतीय कश्मीरी नेताओं और केंद्र सरकार के बीच, और भारत एवं पाकिस्तान के बीच। इसकी व्याख्या वाजपेयी से बेहतर कोई नहीं कर सकता था, जब 2003 में उन्होंने श्रीनगर यात्रा में कहा, 'भारत कश्मीरियों से इंसानियत, कश्मीरियत और जम्हूरियत के दायरे में बात करेगा'। यहां 'संविधान' शब्द का ज़िक्र नहीं था, फिर भी हर कोई जानता था कि लक्ष्मण रेखा क्या है- हिंसा नहीं; क्योंकि ये बातचीत के दरवाज़े बंद कर देती है।इसलिए जब मनमोहन सिंह ने वाजपेयी के काम को आगे बढ़ाया, तो देश ने श्लाघा की। यह कभी न भूलें कि मनमोहन सिंह ने न केवल 2006 में नेपाल में नेपाली लोकतंत्र में मदद की, बल्कि उन्होंने पहली बार कश्मीरी नेताओं को नियंत्रण रेखा के परे पाक जाने को प्रोत्साहित किया ताकि गुंझलदार और बंद पड़ी सीमारेखा को लचीला बनाया जा सके। इस बीच, सिंह के विशेष दूत और पूर्व राजनयिक सतिंदर लांबा, दुबई और लंदन में अपने पाक समकक्षों से मिल कर चार-सूत्रीय फ़ॉर्मूला का मसौदा तैयार कर रहे थे। जिससे कि न केवल कश्मीर में शांति बहाल हो बल्कि उस संत्रास का हल भी, जिससे भारत-पाक को 1947 में गुजरना पड़ा।

हुर्रियत नेता सहमत हो गए, लेकिन भारत के चुनाव आयोग पर अविश्वास जताने पर हबीबुल्लाह ने यह बेचैनी तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त जेम्स लिंगदोह से व्यक्त की। उनका सुझाव था कि एक राज्य चुनाव आयोग का गठन किया जा सकता है। कश्मीरी नेताओं ने पेशकश पर विचार-विमर्श किया और यासीन मलिक से कहा कि इस आयोग का हिस्सा बनने हेतु विश्वसनीय लोगों को राज्य संस्थान में शामिल करें- कर्ण सिंह को बतौर अध्यक्ष लिया।बेशक, कर्ण सिंह कश्मीर के अंतिम हिंदू महाराजा हरि सिंह के पुत्र हैं, जो 1947 के अक्तूबर माह तक भी भारत में विलय को लेकर असमंजस में रहे, जब तक कि नेहरू-पटेल ने सेना भेजकर उन्हें अंतिम मौका नहीं दिया; कर्ण सिंह ने बतौर केंद्र का प्रतिनिधि शासक, अपने पिता की जगह 1949 में ली और अंतिम सदर-ए-रियासत बने। निस्संदेह, मौजूदा कालखंड कम संशय, अधिक स्पष्टता और कहीं कम विडंबनाओं भरा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, ऑपरेशन बालाकोट में रह गई गलतियों को ऑपरेशन सिंदूर ने सुधार दिया। एक साल पहले, और अनुच्छेद 370 निरस्त किए जाने के पांच साल बाद, बतौर केंद्रशासित प्रदेश, जम्मू और कश्मीर में, फिर से चुनाव हुए।

दूसरों को कामयाब-समृद्ध बनाने का सुख

अंर्तमन

डा0 सुधीर कुमार

वास्तविक कामयाबी स्वयं कामयाब होने में नहीं है, बल्कि अपनी कामयाबी के साथ-साथ दूसरों को कामयाब कर उनके चेहरों पर मुस्कराहट लाने में है।

जीवन में कोई भी कार्य असंभव नहीं होता। हर कार्य को एक शैली में ढल कर, ढाल कर संभव बनाया जा सकता है । शैली को किस तरह विकसित किया जाए? यह व्यक्तिगत रूप से व्यक्ति पर निर्भर करता है। प्रत्येक व्यक्ति को जीवन में 24 घंटे मिलते हैं, इन्हीं 24 घंटों का बुद्धिमता से प्रयोग कर कुछ लोग कीर्तिमान बना देते हैं, वहीं कुछ लोग मिट जाते हैं और उनके अस्तित्व का अवशेष तक शेष नहीं रहता। प्रत्येक व्यक्ति खास बनना चाहता है। वह चाहता है कि सदियों बाद भी लोग उसे पहचानें, जानें और उसकी कार्यशैली के उदाहरण दिए जाएं।

हमारे इर्द-गिर्द अनेक ऐसी प्रणालियां हैं जिन्हें अपनाकर व्यक्ति अपने जीवन को अति उत्तम बना सकता है। ऐसी ही एक प्रणाली है- शुहारी। इस शब्द की मूल जड़ें मार्शल आर्ट, नोह थियेटर, टी सेरेमनी और कला से जुड़ी हुई हैं। यह प्रणाली जापानी है। शुहारी केवल एक शब्द भर नहीं है, अपितु इसमें पूरा जीवन दर्शन छिपा हुआ है। जिस व्यक्ति ने अपने जीवन को इस शब्द के अनुरूप बना लिया, वह कामयाब हो जाता है।शुहारी को शु-हा-री तीन खंडों में विभक्त किया हुआ है। इनमें पहला खंड 'शु' अत्यंत प्रारंभिक है। ठीक उसी तरह जिस तरह गुरु अपने शिष्यों को शिक्षा प्रदान करता है। विद्यार्थियों को पाठशाला में मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। केवल कुछ ही शिष्य और विद्यार्थी ऐसे होते हैं जो पहले खंड को भली-भांति समझकर दूसरे खंड में प्रवेश करते हैं। वहीं कई विद्यार्थी और शिष्य दूसरे खंड में पहुंच जाते हैं लेकिन आधे-अधूरे रूप में। दूसरे खंड 'हा' में विद्यार्थी, व्यक्ति या शिष्य निपुण हो जाता है। वह स्वयं को इतना

काबिल बना लेता है कि अब वह आत्मनिर्भर होकर कुछ कार्यों, विधियों या इनोवेशन को अपने दम पर निर्मित करने का निर्णय ले लेता है।इसके बाद अंतिम प्रक्रिया यानी कि 'री' आती है। इसके अंतर्गत व्यक्ति अपने ज्ञान, कला और कार्यों को इतना अधिक विकसित और उन्नत कर चुका होता है कि दुनिया उसके कार्यों को पहचानने लगती है, सराहने लगती है। वास्तव में 'री' की इस तीसरी प्रक्रिया के अंतर्गत ही व्यक्ति कामयाबी और समृद्धि का स्वाद चखता है। यही स्वाद इन दिनों भारतीय संस्था एजुकेट गर्ल्स ने चखा है। इस संस्था को वर्ष 2025 के रेमन मैग्सेसे पुरस्कार के लिए चुना गया है। रेमन मैग्सेसे एशिया का प्रतिष्ठित पुरस्कार है। यह पुरस्कार फिलीपींस के पूर्व राष्ट्रपति रेमन मैग्सेसे के सम्मान में प्रदान किया जाता है। 'भारतीय संस्था एजुकेट गर्ल्स' दूरदराज के गांवों में बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ाने के लिए कार्य करती है। यह संस्था लड़कियों के परिवारों में फैली रूढ़िवादिता को दूर करने में निर्णायक भूमिका निभा रही है। इस संस्था ने अनेक लड़कियों को निरक्षरता के शाप से मुक्त किया है।यह संस्था अपनी स्थापना से लेकर अभी तक 20 लाख लड़कियों को शिक्षा के प्रकाश से आलेकित कर चुकी है। इस संस्था का उद्देश्य आने वाले समय में एक करोड़ की संख्या को पार कर शिक्षा की जोत को विश्व के कोने-कोने तक प्रसारित करना है। इस संस्था की स्थापना वर्ष 2007 में लंदन स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स से स्नातक सफीना हुसैन ने की थी। वे उस समय सैन फ्रांसिस्को में कार्यरत थीं। उन्होंने भारत में लड़कियों की निरक्षरता की चुनौती को देखते हुए भारत लौटने का निर्णय लिया। यह निर्णय लेने का उनका उद्देश्य यही था कि लड़कियों को शिक्षा की ओर प्रेरित किया जाए और उन्हें स्कूलों तक पहुंचाया जाए। जब लड़कियां स्कूलों तक पहुंचकर शब्दज्ञान सीखेंगी, पढ़ेंगी तो उनकी अपनी सोच और क्षमता का विकास होगा। बस इसी सोच ने 'शु' का निर्माण किया। जब सफीना को कदम बढ़ाने पर नई जानकारी मिली तो फिर 'हा' में उन्होंने कदम रखा। आखिरकार उनके नाम-काम को पहचान मिली और वे आकाश का एक ऐसा तारा बनकर उभरीं जो अमावस्या में भी अपनी रोशनी से भटके हुओं को मार्ग दिखाता है। 'री' अंतिम चरण में पहुंचकर उनके कार्यों का डंका विश्व में बजने लगा। आज इस संस्था की अनेक लड़कियां उच्च शिक्षा प्राप्त कर उच्च पदों पर पहुंच गई हैं।

मां ब्रह्मचारिणी को बेहद पसंद है गुड़हल और कमल का फूल

नौ दिनों की नवरात्रि पर करें पूजन और कलश स्थापना...

व्रत-त्यौहार

अनूप अवस्थी

शारदीय नवरात्रि की शुरुआत आज यानी तीन अक्टूबर से हो चुकी है. पहले नवरात्रि पर मां शैलपुत्री की पूजा करने का विधान है। दूसरा नवरात्रि कल यानी चार अक्टूबर को मनाया जाएगा. दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इनकी पूजा करने से व्यक्ति में तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार और संयम की वृद्धि होती है। आइए जानते हैं मां ब्रह्मचारिणी की पूजा विधि, मंत्र, भोग के बारे में...

वैदिक पंचांग के अनुसार द्वितीया तिथि की शुरुआत 4 अक्टूबर को सुबह 2 बजकर 58 मिनट पर होगी. वहीं, इसका समापन 5 अक्टूबर को सुबह 5 बजकर 30 मिनट पर होगा.

पूजा विधि

- शारदीय नवरात्रि के दूसरे दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें और साफ-सुथरे कपड़े धारण कर लें.
- मां को फूल, अक्षत, रोली, चंदन आदि चीजें अर्पित करें.
- धूप-दीप जलाकर भक्ति भाव से मां के मंत्रों का जाप करें और आरती करें.
- भोगस्वरूप पंचामृत चढ़ाएं और मिठाई का भोग लगाएं.

मां ब्रह्माचारिणी मंत्र

- या देवी सर्वभूतेषु मां ब्रह्मचारिणी रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
- दधाना कर पद्माभ्याम अक्षमाला कमण्डलू। देवी प्रसीदतु मई ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा।।

मां ब्रह्मचारिणी का भोग

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मां ब्रह्मचारिणी को चीनी या गुड़ का भोग लगाना शुभ माना जाता है. आप चीनी या गुड़ से बनी चीजों का भी भोग लगा सकते हैं।

मां ब्रह्मचारिणी आरती

जय अंबे ब्रह्माचारिणी माता।
जय चतुरानन प्रिय सुख दाता।
ब्रह्मा जी के मन भाती हो।
ज्ञान सभी को सिखलाती हो।
ब्रह्मा मंत्र है जाप तुम्हारा।
जिसको जपे सकल संसारा।
जय गायत्री वेद की माता।
जो मन निस दिन तुम्हें ध्याता।
कमी कोई रहने न पाए।
कोई भी दुख सहने न पाए।
उसकी विरति रहे ठिकाने।
जो तेरी महिमा को जाने।
रुद्राक्ष की माला ले कर।
जपे जो मंत्र श्रद्धा दे कर।
आलस छोड़ करे गुणगाना।
मां तुम उसको सुख पहुंचाना।
ब्रह्माचारिणी तेरो नाम।
पूर्ण करो सब मेरे काम।
भक्त तेरे चरणों का पुजारी।
रखना लाज मेरी महतारी।

देवी मां ब्रह्मचारिणी को गुड़हल और कमल का फूल बेहद पसंद है और इसलिए इनकी पूजा के दौरान इन्हीं फूलों को देवी मां के चरणों में अर्पित करें। चूंकि मां को चीनी और मिश्री काफी पसंद है इसलिए मां को भोग में चीनी, मिश्री और पंचामृत का भोग लगाएं। मां ब्रह्मचारिणी को दूध और दूध से बने व्यंजन अति प्रिय होते हैं। इसलिए आप उन्हें दूध से बने व्यंजनों का भोग लगा सकते हैं। इस भोग से देवी ब्रह्मचारिणी प्रसन्न हो जाएंगी। इन्हीं चीजों का दान करने से लंबी आयु का सौभाग्य भी पाया जा सकता है।

मां ब्रह्मचारिणी ने राजा हिमालय के घर जन्म लिया था। नारदजी की सलाह पर उन्होंने कठोर तप किया, ताकि वे भगवान शिव को पति स्वरूप में प्राप्त कर सकें। कठोर तप के कारण उनका ब्रह्मचारिणी या तपश्चारिणी नाम पड़ा। भगवान शिव की आराधना के दौरान उन्होंने 1000 वर्ष तक केवल फल-फूल खाए तथा 100 वर्ष तक शाक खाकर जीवित रहीं। कठोर तप से उनका शरीर क्षीण हो गया। उनक तप देखकर सभी देवता, ऋषि-मुनि अत्यंत प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि आपके जैसा तक कोई नहीं कर सकता है। आपकी मनोकामना अवश्य पूर्ण होगा। भगवान शिव आपको पति स्वरूप में प्राप्त होंगे।

किस दिन किसकी पूजा

- 3 अक्टूबर को प्रतिपदा पर माता शैलपुत्री।
- 4 अक्टूबर को द्वितीया पर ब्रह्मचारिणी।
- 5 अक्टूबर को तृतीया पर चंद्रघंटा का पूजन।
- 6 व 7 अक्टूबर को चतुर्थी पर माता कुष्मांडा का पूजन।
- 8 अक्टूबर को पंचमी तिथि पर स्कंदमाता का पूजन।
- 9 अक्टूबर को षष्ठी तिथि पर मां कात्यायनी का पूजन।
- 10 अक्टूबर को सप्तमी तिथि पर माता कालरात्रि का पूजन।
- 11 अक्टूबर को अष्टमी और नवमी दोनों पर माता महागौरी व सिद्धिदात्री का पूजन किया जाएगा।

पाठकों की महफिल

और भी दुख हैं ज़माने में मोहब्बत के सिवा
राहतें और भी हैं वस्ल की राहत के सिवा
- फ़ैज़ अहमद फ़ैज़

उस की याद आई है साँसो ज़रा आहिस्ता चलो
धड़कनों से भी इबादत में ख़लल पड़ता है
- राहत इंदौरी

कोई समझे तो एक बात कहूँ
इश्क़ तौफ़ीक़ है गुनाह नहीं
- फ़िराक़ गोरखपुरी

किस तरह जमा कीजिए अब अपने आप को
काग़ज़ बिखर रहे हैं पुरानी किताब के
- आदिल मंसूरी

पाठक सूचना

अगर आप सामाजिक, राजनीतिक लेख, कहानियां, गीत-गज़ल, स्वास्थ्य, मनोरंजन, शिक्षा, तकनीक अथवा घरेलू जानकारियों पर आलेख समाचार पत्र में प्रकाशित कराना चाहते हैं, तो अपने फोटोग्राफ के साथ मेल करें। हम उसे अवश्य प्रकाशित करेंगे।

ज्योतिष-फलादेश

संपर्क नंबर: 97959 86883

- पं. पंडित सत्यम विष्णु अवस्थी
आचार्य, ज्योतिष शास्त्र

मेष: अपनी दिनचर्या में बदलाव लायें। यश कीर्ति में वृद्धि होगी। कारोबार में लाभ बढ़ेगा। संतान पर ध्यान रखने की आवश्यकता है। अपने व्यवहार में नम्रता लाने की आवश्यक है। वाहन सुख मिलेगा।	वृषभ: दिन की शुरुआत शुभ संकल्पों से होगी। नए कारोबार में लाभ की आशंका कम है। माता-पिता के स्वास्थ्य में लाभ होगा। करियर में निराश न हों, समय बदलेगा। नए आवास के योग बन रहे है।	मिथुन: आपके काम करने के तरीको में सुधार की जरूरत है। आज धनागमन सहज होगा। लाभ होगा, स्वास्थ्य ठीक रहेगा। कारोबार में विवाद शांत होंगे। समय बदलेगा। वाहन खरीदने के योग बन रहे है।	कर्क: कार्यस्थल पर स्थिति आप के पक्ष में बनेगी। परिवार में बुजुर्गों को स्वास्थ्य समस्या बढ़ेगी। नौकरी में विवाद शांत होंगे। लाभ के अवसर मिलेंगे। घर पर शांति बनाए रखें। शेयर बाजार में निवेश से आपको लाभ हो सकता है।
सिंह: अपने पराये में फर्क समझें। दिनचर्या नियंत्रित रखें। बोलने से पहले विचार करें। आपको किसी दूर के मित्र से मुलाकात फायदेमंद साबित होगी। दुसरों के निजी मामलों में बोलना बंद करें।	कन्या: कम बोलें अच्छा बोलें। शत्रु भी प्रशंसा करेंगे। बाहरी विवादों का असर परिवार पर न होने दें। वैवाहिक जीवन में शांति रहेगी। आपकी मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। न्याय पक्ष उत्तम रहेगा।	तुला: सोच के परे कार्य होने से परेशानी बढ़ सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे। शत्रु परास्त होंगे। यात्रा के योग है। कार्यस्थल का वातावरण पक्ष में होगा। विवादों में मौन ही लाभदायक होगा। अपने से बड़ों का आदर करें।	वृश्चिक: नौकरी में अशांति का वातावरण बनने के योग हैं। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। फिजूल खर्च बढ़ेंगे। धोखा होने की आशंका है। पुराने रोग उभरने की संभावना है। संभल कर रहे। जीवन साथी के लिए आज उपहार जरूर ले जाएं।
धनु:दिन चिंताजनक व्यतीत हो रहे है। मानसिक पीड़ा हावी रहेगी पर इष्टबल पर मजबूत रखें। आर्थिक निवेश से लाभ के आसार हैं। संतान के स्वास्थ में सुधार होगा। मित्रों का मिलने से कार्य प्रभावित होंगे।	मकर: दिन की शुरुआत आनंददायक रहेगी। पुराने मित्र से मुलाकात होगी जो की आपके लिए लाभदायक रहेगी। शत्रु परास्त होंगे। यात्रा के योग है। स्वास के रोग से ग्रसित रह सकते है।	कुम्भ: राशि के जातकों को समय के साथ अपने आचार-विचार में बदलाव करना पड़ेगा। सुख शांती चाहते हो तो स्वयं के व्यवहार को बदलना पड़ेगा, मुश्किल है पर नामुमकिन नहीं है। लाभ के अवसर बढ़ेंगे।	मीन: अपने आप पर विश्वास रखें, दुसरों के भरोसे न रहें। आलस्य से बड़ा कोई शत्रु नहीं है। सजग रहें और सतर्क रहें। स्वास्थ्य ठीक होगा। व्यय बढ़ेंगे। धार्मिक कार्यक्रमों में सहभागिता होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ में सुधार होगा।

दोष एवं ग्रह-नक्षत्रों के बारे में प्रकाशित जानकारी ज्योतिषाचार्य के अनुमान-ज्ञान पर आधारित है।

जोक ऑफ द डे

अब वो दिन दूर नहीं जब पति-पत्नी के बीच डिजिटल लड़ाई कुछ इस तरह होगी
बीवी- ना जाने कौन-सी घड़ी में मैंने तुम्हारी फ्रेंड रिक्वेस्ट एक्सेप्ट की थी ।
पति- पत्थर पड़ गये थे मेरी अक्ल पे जो तुम्हारी डीपी को नाइस पिक कहा था ।
बीवी- मेरी अक्ल पे भी परदा पड़ा था जो तुम्हारी पिक पे हैंडसम लुक का कमेंट किया था ।
पति- अच्छा होता तुम्हें उसी वक्त अनफ्रेंड कर देता...
बीवी- मैंने भी उसी वक्त तुम्हें ब्लॉक किया होता तो आज ये दिन ना देखना पड़ता ।

लड़का- ओए पगली! हम तो दुश्मन भी शेर जैसे रखते हैं, तू है एक कोमल कली, मुझसे पंगा जरा सोच समझ कर ले, क्युंकि मैं एक शेर कि औलाद हूं।
लड़की- अच्छा तो एक बात बता- शेर घर पर आया था, या आंटी जंगल गयी थी। सोलिड वाली बेईज्जती हमेशा पराये धन पर होती है।

अगर आपके पास भी हैं मजेदार जोक्स तो प्रकाशित कराने के लिए हमें ईमेल करें:-
swarajindia2023@gmail.com

सम्मानित युवक को सोशल मीडिया पर बदनाम करने की साजिश

» आपत्तिजनक पोस्ट से परिवार को परेशान कर रहे बदमाश

» प्रशासनिक कार्रवाई के इंतजार में पीड़ित

» प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर के संभ्रांत और चर्चित युवाओं में गिने जाने वाले आशीष सिंह उर्फ अंशु परमट इन दिनों सोशल मीडिया पर लगातार बदनाम किए जा रहे हैं। ग्वालटोली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले परमट इलाके में वर्चस्ववादी छवि रखने वाले अंशु को क्षेत्र के कुछ आपराधिक तत्व निशाना बना रहे हैं। जानकारी के अनुसार रितेश सोनकर और अभिषेक कुमार नामक युवक फेसबुक पर लगातार आपत्तिजनक पोस्ट डाल रहे हैं।

आरोपियों की फाइल फोटो

इन पोस्टों के जरिए न केवल अंशु बल्कि उनके परिवार को भी मानसिक तौर पर परेशान किया जा रहा है।पीड़ित आशीष सिंह का कहना है कि यह हरकतें सिर्फ बदनाम करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इन्हीं युवकों से किसी बड़ी आपराधिक वारदात की आशंका भी है। लगातार धमकियों और सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग से परेशान होकर उन्होंने ग्वालटोली थाने में प्रार्थना पत्र दिया है। हालांकि, अब तक आरोपित युवकों पर कोई ठोस प्रशासनिक कार्रवाई नहीं की गई है। पीड़ित ने पुलिस प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है ताकि किसी अप्रिय घटना को टाला जा सके और क्षेत्र में शांति बनी रहे।

कोविड नियम तोड़ने पर भोजपुर विधायक को 6 माह की जेल

नामांकन के दौरान प्रोटोकॉल की खुली धज्जियां
कोरोना काल के कई सालों बाद एमपी एमएलए कोर्ट ने सुनाया फैसला

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

फर्रूखाबाद। भोजपुर से भाजपा विधायक नागेंद्र सिंह राठौर को एमपी/एमएलए कोर्ट ने महामारी अधिनियम का उल्लंघन करने का दोषी करार दिया। शनिवार को न्यायाधीश ज्ञानेंद्र कुमार ने फैसला सुनाते हुए विधायक को 6 माह के कारावास और 5 हजार रुपये जुर्माने से दंडित किया। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि जुर्माना न देने की स्थिति में एक माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। यह मामला 29 जनवरी 2022 का है, जब विधानसभा चुनाव के दौरान विधायक राठौर नामांकन दाखिल करने पहुंचे थे। आरोप है कि वे 8-10 समर्थकों और कई गाड़ियों के काफिले के साथ नामांकन स्थल पहुंचे।

इस दौरान कोविड-19 प्रोटोकॉल और चुनाव आयोग के निर्देशों की खुलेआम अनदेखी की गई। नियम के अनुसार, प्रत्याशी न तो बड़ी संख्या में समर्थकों को ला सकता था और न ही नामांकन स्थल से 200 मीटर की दूरी के भीतर गाड़ियों का काफिला ले जाने की अनुमति थी।सिविल लाइन चौकी प्रभारी आनंद शर्मा ने इस घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसके बाद मामले की जांच शुरू हुई। पुलिस जांच में पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर मुकदमा दर्ज हुआ और मामले की सुनवाई एमपी/एमएलए कोर्ट में चली।

40 हजार के बंधपत्र पर मिली जमानत, छवि पर सवाल

अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलों और प्रस्तुत सबूतों पर विचार करने के बाद विधायक को दोषी माना। हालांकि, सजा सुनाए जाने के बाद विधायक की ओर से जमानत अर्जी दाखिल की गई। अदालत ने यह अर्जी स्वीकार करते हुए 20-20 हजार रुपये के दो बंधपत्रों (कुल 40 हजार रुपये) पर उनकी जमानत मंजूर कर ली।

विधायक राठौर जिले में भाजपा के लोकप्रिय चेहरे माने जाते हैं। वे लगातार दो बार से भोजपुर सीट से निर्वाचित हो रहे हैं और क्षेत्र में उनकी साख मजबूत बताई जाती है।लेकिन कोविड प्रोटोकॉल तोड़ने का यह मामला उनकी राजनीतिक छवि पर सवाल खड़े करता है। विपक्ष पहले से ही भाजपा नेताओं पर नियमों की अनदेखी का आरोप लगाता रहा है, ऐसे में विधायक राठौर का दोषी साबित होना उनके राजनीतिक करियर के लिए झटका माना जा रहा है।

वोट चोरी के खिलाफ कानपुर दक्षिण में चला हस्ताक्षर अभियान, राहुल गांधी जिंदाबाद के लगाए नारे

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कांग्रेसियों ने रविवार को कानपुर दक्षिण क्षेत्र के किदवई नगर लाल कॉलोनी में हस्ताक्षर अभियान चलाया, सैकड़ों लोगों ने पत्रों पर हस्ताक्षर किया। हस्ताक्षर अभियान के दौरान कांग्रेसियों व मौजूद कुछ लोगों ने वोट चोर गद्दी छोड़, राहुल गांधी जिंदाबाद के नारे लगाएं।अध्यक्ष पवन गुप्ता के मुताबिक भाजपा और चुनाव आयोग के बीच वोट चोरी की खुलेआम मिलीभगत को उजागर करने के लिए एआईसीसी और पीसीसी के निर्देश पर यह अभियान शुरू किया गया है। हस्ताक्षर अभियान के तहत मशीन रीडेबल मतदाता सूची को फोटो सहित सार्वजनिक जांच के लिए उपलब्ध करवाने, हर चुनाव से पहले विलोपन और जोड़ की सूचियों को तस्वीरों सहित सार्वजनिक करने की मांग की।

साथ ही गलत तरीके से नाम हटाए जाने पर सुलभ शिकायत निवारण प्रणाली बनाने, स्पष्ट कट ऑफ तिथि के साथ अंतिम समय पर नाम जोड़ने या हटाने की प्रक्रिया को रोकने और मतदाता दमन में शामिल अधिकारियों व एजेंटों पर कानूनी कार्यवाही करने की मांग की गई।

पवन गुप्ता ने कहा कि नेता विपक्ष राहुल गांधी ने भाजपा और चुनाव आयोग की वोट चोरी को जनता के बीच उजागर कर दिया है। साजिश के तहत दलित, पिछड़ा व अल्पसंख्यक समाज के वोटों को काटा जा रहा है।

इस दौरान अध्यक्ष पवन गुप्ता, प्रभारी दीपक त्रिवेदी, सीता अग्निहोत्री, कमलाकांत तिवारी, अजय प्रकाश तिवारी, अतीक अहमद शहजादे, संतोष त्रिपाठी, पूजा भारद्वाज, विकास सोनकर, गुड्डे सक्सेना, मो.अरहान, सुरेंद्र तिवारी, हरीश बाजपेयी, राम स्वरूप तिवारी, हिमांशु शुक्ला,प्रभाकर पांडे, कमल शर्मा, रमणीक चतुर्वेदी, अजगर अली, मुजबि अंसारी, ऋषि तिवारी, राम सजीवन शुक्ला, रितेश वर्मा, केके कुशवाहा, अभिषेक तिवारी समेत आदि लोग रहे।

एटीएम कार्ड बदलकर उड़ाए 47 हजार

» एटीएम में सर्वर का बहाना बनाकर युवक को गुमराह

» पाँच बार निकासी कर खाते से उड़ाई रकम, पीड़ित ने की कार्रवाई की मांग

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के नेहरू नगर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा एटीएम में शुक्रवार शाम शातिर ठगों ने फिल्मी अंदाज़ में बड़ी ठगी को अंजाम दिया। पीड़ित मुन्ना पुत्र मो0 रजा, जो मूल रूप से कानपुर नगर के रहने वाले हैं और फिलहाल अकबरपुर अंगनू की गुमटी रूरा रोड पर दुकान चलाते हैं, ने बताया कि 16 सितंबर की शाम उनका बेटा मो0 जीशान रुपये निकालने गया था।

एटीएम बूथ पर पहले से मौजूद कुछ अज्ञात लोगों ने सर्वर न आने का बहाना बनाकर जीशान को गुमराह किया। इसी दौरान ठगों ने चतुराई से पासवर्ड की जानकारी हासिल कर ली और कार्ड बदलकर नितीन कुमार सिंह नामक व्यक्ति का एटीएम कार्ड थमा दिया। मासूम जीशान को धोखे का अंदाजा तक नहीं हुआ और वह घर लौट आया।

कुछ ही देर बाद मुन्ना के मोबाइल पर लगातार धन निकासी के संदेश आने लगे। जब ध्यान से देखा गया तो पता चला कि खाते से पाँच बार में कुल ?47,024.78 की रकम साफ हो चुकी है।

अचानक इतनी बड़ी राशि निकलने से पूरे परिवार में हड़कंप मच गया। मुन्ना ने तुरंत बैंक से संपर्क कर स्टेटमेंट निकलवाया तो धोखाधड़ी की पुष्टि हुई।पीड़ित मुन्ना ने थाना प्रभारी अकबरपुर को तहरीर देकर पूरे प्रकरण की गहन जांच की मांग की है। उन्होंने बैंक ऑफ बड़ौदा नेहरू नगर एटीएम की सीसीटीवी फुटेज की जांच कराने और अज्ञात धोखेबाजों को पकड़ने की अपील की। पीड़ित का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई न हुई तो ये अपराधी और भी लोगों को इसी तरह शिकार बना सकते हैं।

यह घटना न केवल पीड़ित परिवार के लिए बल्कि पूरे इलाके के लोगों के लिए चेतावनी है। एटीएम बूथों पर सक्रिय ठग मासूम ग्राहकों को सर्वर या तकनीकी खराबी का बहाना बनाकर आसानी से जाल में फंसा लेते हैं और पासवर्ड जानकर कार्ड बदल देते हैं। विशेषज्ञों ने भी सलाह दी है कि एटीएम पर कभी भी अनजान व्यक्ति की मदद न लें और पासवर्ड साझा करने से बचें।

पुलिस ने भी लोगों को सचेत किया है कि ऐसे मामलों में तुरंत बैंक और पुलिस को सूचना दें ताकि अपराधियों को जल्द पकड़ा जा सके। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और जल्द ही ठगों तक पहुंचने का दावा किया है।

रसूलाबाद में चोरों का आतंक, तीन घरों से लाखों का माल पार

» सोते परिवारों को निशाना बनाकर चोरों ने मचाया तांडव

» पुलिस ने जांच शुरू की, ग्राम सुरक्षा समिति होगी सक्रिय

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद थाना क्षेत्र के कसमडा गांव में चोरों ने बीती रात धावा बोलकर तीन घरों से लाखों रुपये की ज्वैलरी और नगदी पार कर दी। लगातार बढ़ रही वारदातों से ग्रामीणों में दहशत फैल गई है। सूचना पर बिरहुन चौकी प्रभारी मौके पर पहुंचे और छानबीन शुरू की। पीड़ित परिवारों ने पुलिस से चोरी का खुलासा करने की मांग की है।पहली घटना में गांव के कुलदीप यादव और मोहर सिंह पुत्र रविन्द्र के घर से चोर करीब 6 लाख रुपये के आभूषण और 15 हजार रुपये नगद ले गए।

घटना के समय परिवार के लोग छत पर सो रहे थे। पंचायत घर से बबूल की लकड़ी के सहारे चोर छत पर चढ़े और अलमारी व बक्से का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया।दूसरी घटना में राजेंद्र सिंह पुत्र मेवालाल के घर से चोरों ने तीन तोड़िया, दो खड़ुआ और करीब 20 हजार रुपये चोरी कर लिए। परिवार के लोग बाहर सोए हुए थे और चोर पीछे की दीवार से होते हुए घर में घुसे।तीसरी वारदात में विमल पुत्र स्व. रामकेसन के घर को निशाना बनाया गया। विमल की नवंबर में शादी होनी है ।

और हाल ही में तिलक हुआ था। चोरों ने करीब 2 लाख रुपये के गहने, 20 हजार रुपये नगद और शादी के लिए रखे गए बर्तन व अनाज तक पार कर दिया।

थाना प्रभारी रसूलाबाद सतीश कुमार सिंह ने बताया कि चोरी की घटनाएं तीनों जगह हुई हैं, लेकिन कई मामलों में परिजनों की लापरवाही भी सामने आई है। मकानों के दरवाजे खुले थे और सभी लोग घर पर सो रहे थे। उन्होंने कहा कि खुलासे के लिए पुलिस टीम लगा दी गई है और ग्राम सुरक्षा समिति को सक्रिय किया जाएगा, जिससे चोरी की घटनाओं पर अंकुश लग सके।

गजनेर सीएचसी में स्वास्थ्य शिविर, 168 मरीजों को मिला उपचार

» एमएलसी अविनाश सिंह चौहान ने किया सेवा पखवाड़े के चौथे दिन का शुभारंभ

» जांच, उपचार और आयुष्मान कार्ड से मिले मरीजों को लाभ

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। सरवन खेड़ा क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गजनेर में रविवार को स्वास्थ्य नारी सशक्त परिवार अभियान के चौथे दिन विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एमएलसी अविनाश सिंह चौहान ने फीता काटकर किया।

उन्होंने कहा कि नारी स्वस्थ होगी तभी परिवार सशक्त बनेगा। सेवा पखवाड़े के तहत लोगों को अब जांच और उपचार के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।शिविर में कुल 168 मरीजों का उपचार किया गया। इनमें 86 मरीजों की ब्लड प्रेशर जांच, 76 की डायबिटीज जांच, 20 की कैंसर स्क्रीनिंग और 19 की टीबी स्क्रीनिंग की गई। इसके अलावा 14 मरीजों के आयुष्मान कार्ड और आभा आईडी कार्ड भी बनाए गए।इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. ए.के. सिंह और अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. वाई.एस.एल. वर्मा ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। विशेषज्ञ टीम में डॉ. मनीषा, डॉ. अभिषेक, डॉ. हार्दिक मित्तल और डॉ. गौरव सिंह मौजूद रहे। शिविर के सफल संचालन में प्रभारी चिकित्साधीक्षक डॉ. पुनीत पांडे, प्रभारी चिकित्साधिकारी सरवन खेड़ा डॉ. राकेश यादव सहित कई चिकित्सकों का योगदान रहा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

खादी से डूबे खेत, सिंचाई विभाग ने बंद कराया रिसाव

» रनियां क्षेत्र के रजबहे में मुबारकपुर लाटा गांव के सामने टूटा बांध

» धान की फसल जलमग्न, जेसीबी से रुकवाया पानी का बहाव

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात।रनियां क्षेत्र से गुजरने वाले घाटमपुर रजबहे में शुक्रवार रात मुबारकपुर लाटा गांव के सामने अचानक खादी हो गई। बांध टूटते ही पानी का तेज बहाव खेतों की ओर चला गया, जिससे विसायकपुर क्षेत्र में करीब एक सौ बीघा धान की फसल जलमग्न हो गई। किसानों की मेहनत पर पानी फिर जाने से ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया।

खादी के चलते विसायकपुर से लाटा मुबारकपुर को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग भी पूरी तरह जलमग्न हो गया। गांव से बाहर निकलने वाले लोगों को डेढ़ से दो किलोमीटर का चक्कर लगाकर हाईवे तक पहुंचना पड़ा। कई घंटे तक राहगीरों और ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।सूचना मिलते ही सिंचाई विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। शनिवार पूरे दिन जेसीबी मशीनों की मदद से खादी को बंद करने का प्रयास किया गया। देर शाम तक विभाग ने रिसाव पर काबू पा लिया।

विभागीय जेई गोविंद ने बताया कि कड़ी मशक्कत के बाद पानी का बहाव रोका गया है और अब खेतों में पानी भरने की स्थिति नियंत्रित हो चुकी है। स्थानीय किसानों ने बताया कि लगातार रजबहे की स्थिति बिगड़ने से हर साल बारिश के मौसम में उन्हें भारी नुकसान झेलना पड़ता है। उन्होंने मांग की है कि विभाग स्थायी समाधान निकाले, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति न बने।

क्षेत्र पंचायत निधि की पानी टंकी बनी शोपीस

» बिना बिजली-बिना टोटी, प्यासे भटक रहे राहगीर

» लाखों की योजना जिम्मेदारों की अनदेखी से दम तोड़ रही

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। राहगीरों और स्कूली बच्चों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनाई गई क्षेत्र पंचायत निधि की पानी की टंकी अब बदहाली की जीती-जागती मिसाल बन चुकी है। ब्लॉक मलासा अंतर्गत बल्हारमऊ,देवीपुर,चांदपुर मार्ग पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास वर्ष 2022-23 में लाखों रुपये खर्च कर बनाई गई यह टंकी आज बिना बिजली कनेक्शन और बिना टोटियों के खड़ी है।स्थानीय लोगों का कहना है कि शुरू में टंकी से पानी मिलने पर उन्हें राहत मिली थी, लेकिन कुछ ही दिनों में लगी हुई टोटियां टूटकर गायब हो गईं। विभागीय लापरवाही का आलम यह है कि टूटी टोटियों की मरम्मत तक नहीं कराई गई।

नतीजतन गर्मी के मौसम में राहगीरों और बच्चों को बूंद-बूंद पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है।गर्मी के दिनों में भूगर्भ जलस्तर नीचे जाने से हैंडपंप सूख जाते हैं, ऐसे समय में यह टंकी बड़ी राहत साबित हो सकती थी।

लेकिन जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते लाखों रुपये खर्च की यह योजना धूल फांक रही है। ग्राम पंचायत और क्षेत्र पंचायत स्तर पर किसी ने भी इसे संचालित रखने की संजीदगी नहीं दिखाई।खंड विकास अधिकारी संजय कुमार कन्नौजिया से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही पानी की टंकी को फिर से चालू नहीं कराया गया, तो यह योजना पूरी तरह बेकार साबित हो जाएगी।

‘बेटियों की कामयाबी ही है असली महिला सम्मान’

डीएम डॉ. दिनेश चंद्र सिंह की बेटी आस्था सिंह को राज्यपाल ने स्वर्ण पदक पहनाकर किया सम्मानित

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

सहारनपुर। बेटियां सिर्फ परिवार की पहचान ही नहीं होतीं, बल्कि पूरे समाज और देश का मान-सम्मान होती हैं। सहारनपुर स्थित माँ शाकुंभरी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में इस बात की सच्ची मिसाल तब देखने को मिली जब जौनपुर के मूल निवासी और यूपी के सीनियर आईएएस अफसर, सहारनपुर के जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह की बेटी आस्था सिंह को एम.ए. (इकोनॉमिक्स) में टॉप करने पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने स्वयं अपने हाथों से स्वर्ण पदक पहनाकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने आस्था को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बेटियों की मेहनत और उपलब्धियां ही वास्तविक महिला सशक्तिकरण का आधार हैं।

उन्होंने छात्राओं से आस्था की तरह कड़ी मेहनत और लगन से पढ़ाई करने का आह्वान किया। आस्था की इस सफलता से न केवल उनका परिवार गौरवान्वित है बल्कि प्रदेशभर की युवतियों और छात्राओं के लिए यह प्रेरणा का स्रोत बन गई है।

डॉ. दिनेश चंद्र सिंह ने अपनी बेटी की इस उपलब्धि पर भावुक होते हुए कहा—

यह मेरे जीवन का गर्व का क्षण है। आस्था ने अपनी मेहनत और लगन से यह उपलब्धि हासिल की है। उसने यह सिद्ध कर दिया है कि बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं।

जब बेटियां आगे बढ़ती हैं तो परिवार ही नहीं, पूरा प्रदेश और समाज गौरव महसूस करता है।

आस्था सिंह ने अपनी इस सफलता का श्रेय माता-पिता के आशीर्वाद और अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन को देते हुए कहा कि अगर बेटियों को सही माहौल, विश्वास और अवसर मिले तो वे हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा सकती हैं।

महिला सम्मान का नया आयाम

आज जब समाज में महिला सुरक्षा और सम्मान की बातें की जाती हैं, तो आस्था जैसी बेटियां अपने परिश्रम से उसका असली अर्थ परिभाषित करती हैं। उनकी उपलब्धि यह संदेश देती है कि महिला सशक्तिकरण केवल नारे या योजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वास्तविक सम्मान तभी है जब बेटियों की मेहनत को पहचान मिले और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दिया जाए।दीक्षांत समारोह में आस्था को स्वर्ण पदक मिलने के बाद छात्र-छात्राओं में भी उत्साह का माहौल है। छात्राओं ने कहा कि आस्था जैसी बेटियां रोल मॉडल बनकर उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं।

आई लव मुहम्मद लिखे पोस्टर हटवाने पर भड़के आईएमसी नेता, इंस्पेक्टर से बोले- हाथ काट लूंगा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बरेली। बरेली में आईएमसी नेता डॉ. नफीस का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह कह रहे हैं कि इंस्पेक्टर के हाथ काट लूंगा। यह वीडियो रविवार को बताया गया है, जब इंस्पेक्टर पुलिस टीम के साथ किला क्षेत्र में आई लव मुहम्मद लिखे पोस्टर हटवाने पहुंचे थे।

बरेली में आई लव मुहम्मद लिखे बैनर पोस्टर हटवाने पर लोगों की पुलिस से तकरार हो गई। शहर के किला थाना क्षेत्र में रविवार को थाना प्रभारी सुभाष कुमार टीम के साथ पहुंचे थे। उन्होंने आई लव मुहम्मद लिखे पोस्टर हटाने की बात कही, जिसका मुस्लिम समाज के लोगों ने विरोध किया। पुलिस से तकरार के बाद मौलाना तौकीर रजा खान की पार्टी इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के नेता डॉ. नफीस का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में डॉ. नफीस कह रहे हैं कि मैंने इंस्पेक्टर को कह दिया कि हाथ काट लूंगा... वर्दी उतरवा दूंगा। यह वीडियो के वायरल होने के बाद किला थाना पुलिस ने डॉ. नफीस के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। प्रेमनगर थाना क्षेत्र के सुर्खा चौधरी तालाब निवासी सलीम रजा ने प्रेमनगर थाने में रिपोर्ट कराई है कि उनके बेटे रिहान घोसी की इंस्टाग्राम आईडी पर श्यामपाल नाम के व्यक्ति ने आपत्तिजनक और भड़काऊ पोस्ट भेजी। इससे मुस्लिम समाज की आस्था को ठेस पहुंची है। आरोप है कि उसने 21 सितंबर को फोन कॉल कर गालियां दीं। आरोपी ने समाज में नफरत फैलाने की कोशिश की। सलीम रजा का कहना है कि श्यामपाल की हरकतें शहर का माहौल खराब करने और समाज में वैमनस्य फैलाने की कोशिश है। प्रेमनगर थाना पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मामले की जांच शुरू कर दी है।

अयोध्या : प्रेम का जाल, धर्मांतरण का खेल और जिस्मफरोशी का धंधा!

» बॉर्डर से अयोध्या तक–धर्मांतरण और लव जिहाद का नेटवर्क!

» मुस्लिम युवकों के प्रेमजाल में फँसीं हिन्दू लड़कियाँ, गेस्ट हाउस बने अड्डे!

» पुलिस की दबिश से खुला नेटवर्क नकदी, कंडोम और मोबाइल बरामद

» मजहबी साजिश के हिस्से बने दलाल और गेस्ट हाउस मालिक

» गरीबी, झाँसा और धमकी बेटियों को धकेलने का संगठित प्लान

» फतेहगंज से गोरखपुर बिहार बॉर्डर तक फैला अनैतिक नेटवर्क

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या की पवित्र नगरी, जहाँ हर कदम पर धर्म और संस्कृति की गूँज सुनाई देती है, वहीं खीर गली, फतेहगंज स्थित राणी सती गेस्ट हाउस से जो स्याह सच्चाई उजागर हुई है, उसने पूरे प्रदेश की कानून-व्यवस्था और समाज को झकझोर दिया है। पुलिस की छापेमारी में गेस्ट हाउस मालिक, उसके दलाल और 11 महिलाएँ पकड़ी गईं। मोबाइल, लाखों की नगदी, शक्ति वर्धक गोलियाँ और कंडोम बरामद हुए। यह कोई साधारण अनैतिक धंधा नहीं, बल्कि एक गहरे षड्यंत्र का हिस्सा है।

स्वराज इंडिया में प्रकाशित खबर

स्वराज इंडिया एक्सक्लूसिव

» रामनगरी में लव, जाल और जिस्मफरोशी– अयोध्या से उठी भयावह सच्चाई

बता दें कि एफआईआर और पुलिस की पूछताछ से साफ है कि इस देह व्यापार में पकड़ी गई महिलाओं का बैकग्राउंड अलग-अलग प्रदेशों और खासतौर पर बॉर्डर एरिया से जुड़ा है बिहार, गोरखपुर, महाराजगंज, बलिया, बेतिया, कुशीनगर तक फैला हुआ।

सूत्रों का कहना है कि जाँच में यह भी सामने आया कि मुस्लिम युवक पहले हिन्दू लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाते हैं, फिर शादी का झांसा देकर उन्हें धर्मांतरण के जाल में धकेलते हैं और अंततः उन्हें देह व्यापार में उतार देते हैं।

गौरतलब है कि पकड़े गए ग्राहकों और संचालकों में ऐसे नाम सामने आए हैं जिनका सीधा संबंध लव जिहाद और धर्मांतरण गिरोह से जुड़े होने की आशंका है। आसिफ, नियाज़, फैजान जैसे नाम इस बात की गवाही दे रहे हैं कि नेटवर्क सिर्फ स्थानीय दलालों तक सीमित नहीं है, बल्कि संगठित तरीके से हिन्दू लड़कियों को निशाना बनाने की साज़िश है।

गवाही महिलाओं की जुबानी

सूत्रों के अनुसार पकड़ी गई महिलाओं ने खुद स्वीकार किया कि उन्हें गरीबी और प्रेम के झाँसे में फँसाकर इस धंधे में उतारा गया। कई लड़कियाँ शादीशुदा होने के बावजूद इस जाल में फँसी पाई गईं। किसी का नाम बदल दिया गया, किसी को प्रेमी पति बनकर दिल्ली से अयोध्या तक ले आया, और किसी को मजबूरी और धमकियों से इस दलदल में धकेला गया।

एसएसपी डॉ0 गौरव ग्रोवर के निर्देशन में सीओ नगर शैलेन्द्र सिंह और महिला थाना प्रभारी आशा शुक्ला की अगुवाई में की गई इस छापेमारी ने अयोध्या में फैले लव जिहाद और जिस्मफरोशी के गठजोड़ का बड़ा चेहरा उजागर हुआ है। एफआईआर में साफ उल्लेख है कि गेस्ट हाउस मालिक गणेश अग्रवाल मुस्लिम युवकों के साथ मिलकर इस पूरे धंधे का संचालन करता था।

यह मामला सिर्फ एक गेस्ट हाउस या एक गिरोह तक सीमित नहीं है। यह सांस्कृतिक और सामाजिक सुरक्षा पर सीधा हमला है।

बॉर्डर एरिया से हिन्दू लड़कियों को फँसाकर अयोध्या जैसे धार्मिक नगर में वेश्यावृत्ति कराना, दरअसल धर्मांतरण और लव जिहाद के बड़े एजेंडे का हिस्सा प्रतीत होता है।स्वराज इंडिया की यह पड़ताल बताती है कि यदि इस षड्यंत्र पर समय रहते नकेल नहीं कसी गई, तो अयोध्या से लेकर पूरे पूर्वांचल तक हिन्दू समाज की बेटियाँ इसी जाल में फँसती चली जाएँगी।

यह सिर्फ कानून का नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अस्तित्व का प्रश्न बन चुका है।

अयोध्या की धरती बनी धर्म और दलित राजनीति का अखाड़ा

» संतों की चुनौती पर चंद्रशेखर आज़ाद की अयोध्या से हुंकार

» मंदिर की छांव में उठी 'संवैधानिक राष्ट्रवाद' की ललकार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। सियासत की धरती अयोध्या में एक बार फिर धार्मिक मान्यताओं बनाम संवैधानिक विचारधारा की टकराहट देखने को मिली। भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और आज़ाद समाज पार्टी के नेता चंद्रशेखर आज़ाद ने सहादतगंज में आयोजित प्रबुद्धजन सम्मेलन में खुले शब्दों में साधु-संतों पर हमला बोला। आजाद ने कहा-सनातन की मान्यता के अनुसार कोई दिव्यांग जगद्गुरु नहीं हो सकता। आखिर ऐसा कौन सा कर्म था, जिसके कारण रामभद्राचार्य की आंखें छिन गई यह कहना अपराध नहीं। लेकिन अगर वे संविधान और डॉ. अंबेडकर को नहीं मानते तो यह उनका विचार है। देश संविधान से चलता है, प्रधानमंत्री तक उसे माथे पर लगाते हैं। जिसे संविधान से दिक्कत है, उसे इस देश में रहने का हक़ नहीं। आज़ाद समाज पार्टी ऐसे संविधान विरोधियों को जेल भेजेगी।

आजाद ने खुद को अयोध्या में रोकने की संतों की चुनौती का भी ज़िक्र किया और कहा कि आज मैं अयोध्या की धरती पर खड़ा हूं। किसी में हिम्मत है तो आकर मुकाबला करे। संविधान मुझे और करोड़ों लोगों को हर जगह जाने का अधिकार देता है। मुझे अयोध्या से कोई नहीं रोक सकता।

बता दे कि आने वाले विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए आज़ाद ने कार्यकर्ताओं को 17-18 महीनों तक चैन की नींद न सोने की नसीहत दी। घोषणा की कि उनकी पार्टी 50त्न टिकट पिछड़े वर्ग को देगी। कहा कि राजनीतिक भागीदारी के बिना सामाजिक न्याय अधूरा है, इसलिए हमारी पार्टी ने ये निर्णय लिया है। अयोध्या की सरज़मीं पर चंद्रशेखर आज़ाद का यह बयान सिर्फ संतों को चुनौती नहीं बल्कि बीजेपी के 'हिंदुत्व एजेंडे' को सीधी टक्कर देने की रणनीति भी है। संविधान बनाम धर्म की बहस को हवा देकर आज़ाद ने साफ़ किया कि उनकी राजनीति सीधे-सीधे 'संवैधानिक राष्ट्रवाद' बनाम 'धार्मिक राष्ट्रवाद' की लड़ाई है।

मिशन शक्ति अभियान: महिला पुलिसकर्मियों ने निकाली स्कूटी रैली

» आईजी प्रवीण कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रैली को किया रवाना

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत रविवार को महिला पुलिस कर्मियों ने अयोध्या में भव्य स्कूटी रैली निकाली। पुलिस लाइन से आईजी प्रवीण कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। यह रैली रिजर्व पुलिस लाइन से पुष्पराज चौराहे रिकाबगंज टेढ़ी बाजार रामजन्म भूमि मन्दिर होते हुए राम कथा पार्क पर समाप्त हुई।

इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक करना है। महिला पुलिस कर्मी शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों को सुरक्षा संबंधी जानकारी देंगी। रैली के दौरान लोगों को महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर – 1090, 112, 181, 102, 108, 1076 और 1930 बताए जाएंगे। साथ ही मोबाइल पैनिक बटन और आपातकालीन कॉल की प्रक्रिया समझाई जाएगी।इसके अलावा महिला पुलिस कर्मी कन्या सुमंगला योजना, उज्ज्वला योजना, निराश्रित महिला पेंशन, आयुष्मान योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना की जानकारी भी साझा करेंगी। पंपलेट्स के माध्यम से अभियान को और प्रभावी बनाने की योजना है। आईजी प्रवीण कुमार ने कहा कि आने वाले त्योहारों में महिला पुलिस की भूमिका और भी अहम होगी और मिशन शक्ति अभियान लोगों को सुरक्षा व जागरूकता का संदेश देगा।इस अवसर पर एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी,एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी भी मौजूद रहे है।

पीड़ित परिवार से मिले सीएम, दोषियों पर सख्त कार्रवाई का दिया भरोसा

गोरखपुर में मारे गए नीट छात्र के परिवार को पांच लाख की मदद

एसटीएफ को सौंपी गई जांच, पशु तस्करों ने की थी अगवा कर हत्या

» गोरखपुर, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में पशु तस्करों के हाथों मारे गए नीट छात्र के परिवारीजनों को पांच लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी है। छात्र दीपक गुप्ता के पिता दुर्गेश गुप्ता, माता सीमा और उनके अन्य परिवारीजनों ने आज सोमवार को गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात की। सीएम ने पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया और हत्यारोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई का भरोसा भी दिलाया। नीट की तैयारी कर रहे छात्र दीपक गुप्ता की 16 सितम्बर की रात पशु तस्करों ने हत्या कर दी थी।

दीपक, गोरखपुर के पिपराइच थाना क्षेत्र के जंगल छत्रधारी टोला महुआ चाफी गांव का रहने वाला था। 16 सितम्बर की देर रात पशु तस्करों ने पीछा करने के शक में दीपक को अगवा कर मार डाला और उसका शव गुलरिहा इलाके में फेंक कर फरार हो गए। तस्करों की दूसरी गाड़ी को ग्रामीणों ने घेर लिया था। गाड़ी फंसने पर उतरकर भाग रहे तस्करों में से एक को ग्रामीणों ने दबोच लिया। तस्करों की गाड़ी फूंक दी। पकड़े गए तस्कर को कब्जे में लेने के प्रयास में गुस्साई भीड़ ने पुलिस पर भी हमला बोल दिया।

इस हमले में पिपराइच थानेदार का हाथ टूट गया था जबकि एसपी नार्थ के कंधे, पैर और अन्य पुलिसवालों के सिर और कंधे में चोट आई थी। सुबह होते ही ग्रामीणों ने फरार तस्करों की गिरफ्तारी सहित अन्य मांगों को लेकर गोरखपुर-पिपराइच मार्ग जाम कर दिया था। डीआईजी, डीएम और एसएसपी के आश्वासन पर पांच घंटे बाद जाम समाप्त हुआ था।

भीड़ की पिटाई के शिकार तस्कर की हो गई थी मौत

छात्र दीपक गुप्ता की हत्या के बाद गुस्साई भीड़ की पिटाई के शिकार पशु तस्कर की पिछले दिनों मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। उधर, छात्र दीपक गुप्ता की हत्या के बाद यूपी में पशु तस्करों के खिलाफ पुलिस ने अभियान चला दिया है। जांच एसटीएफ को सौंपी गई है। लापरवाही के आरोप में अब तक कई पुलिसवालों के खिलाफ ऐक्शन हो चुका है। यूपी एसटीएफ इस मामले में ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है।

जरूरतमंदों को दिलाएं योजनाओं का लाभ

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्र की प्रतिपदा पर शक्ति की उपासना से पहले जनसेवा की। उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन कर लोगों से मुलाकात की।

उनकी समस्याएं सुनीं और प्रभावी निस्तारण के लिए अधिकारियों को दिशानिर्देश दिए। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर जरूरतमंद व्यक्ति को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें।

आज गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक सीएम योगी खुद पहुंचे और एक एक करके सबकी समस्याओं को सुनते हुए आश्वस्त किया हर समस्या का समयबद्ध, पारदर्शी व संतुष्टिपरक निस्तारण किया जाएगा। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 250 लोगों की समस्याएं सुनीं। इसमें बड़ी संख्या महिलाओं की रही।

अब पुलिस एफआईआर, वारंट, मेमो में नहीं लिखी जाएगी जाति

यूपी की योगी सरकार का फैसला, शासनादेश किया जारी

» लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

उत्तर प्रदेश में पुलिस की एफआईआर, अरेस्ट मेमो, वारंट या किसी भी दस्तावेज पर अब जाति नहीं लिखी जाएगी। हाईकोर्ट के इस बाबत आदेश के बाद योगी सरकार ने भी फैसला लागू कर दिया है। मुख्य सचिव की तरफ से इसका शासनादेश जारी करते हुए सभी अधिकारियों को कड़ाई से आदेश का पालन करने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट का आदेश आने के एक हफ्ते के अंदर ही योगी सरकार की तरफ से शासनादेश जारी करने को जातिगत भेदभाव को खत्म करने के लिए उठाए गए बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा है। इसके साथ ही यूपी में अब जाति आधारित रैलियों और प्रदर्शनों पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। सोशल मीडिया पर ऐसी गतिविधियों की सख्त निगरानी की जाएगी और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

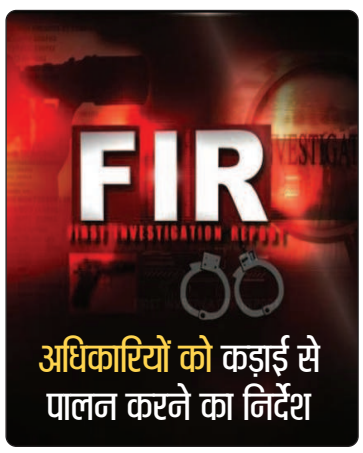

इलाहाबाद हाईकोर्ट के पिछले दिनों अपने ऐतिहासिक फैसले में पुलिस दस्तावेजों में जाति के उल्लेख को संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ बताया था। इस कदम का उद्देश्य समाज में जाति आधारित भेदभाव को कम करना और संवैधानिक समानता के सिद्धांत को मजबूत करना उद्देश्य है। इसी को देखते हुए सरकार ने सामाजिक समानता को बढ़ावा देने और जातिगत भेदभाव को समाप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सरकार ने पुलिस एफआईआर, अरेस्ट मेमो और अन्य सरकारी दस्तावेजों में किसी व्यक्ति की जाति का उल्लेख न करने के सख्त निर्देश जारी किए हैं।

मुख्य सचिव की तरफ से जारी निर्देश में कहा गया है कि एफआईआर, गिरफ्तारी मेमो, अपराध विवरण फॉर्म, कोर्ट सरेंडर मेमो और अंतिम पुलिस रिपोर्ट यानी किसी भी दस्तावेज में अब किसी व्यक्ति की जाति का जिक्र नहीं किया जाएगा। पुलिस रिकॉर्ड्स, थानों के नोटिस बोर्ड, पुलिस वाहनों और साइनबोर्ड्स से जाति से संबंधित सभी संकेत, नारे और कॉलम हटाए जाएंगे।

इसके साथ ही राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम में जाति से संबंधित कॉलम को खाली छोड़ा जाएगा। इस कॉलम को स्थायी रूप से हटाने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए हाईकोर्ट को पत्र भी लिखा जाएगा। इसके साथ ही यह कहा गया है कि अब दस्तावेजों में जाति हटाने के बाद व्यक्ति की पहचान के लिए पिता के साथ-साथ माता का नाम भी अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाएगा। हालांकि केवल अनुसूचित जाति/जनजाति एक्ट से संबंधित मामलों में कानूनी आवश्यकता के अनुसार ही जाति का उल्लेख किया जाएगा।

सरकार के जाति प्रतिबंध के फैसले पर अखिलेश ने पूछे पांच सवाल

» लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

उत्तर प्रदेश में योगी सरकार द्वारा जाति आधारित चुनावी रैलियों पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री व सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस फैसले पर प्रतिक्रिया दी और योगी सरकार से पांच सवाल पूछ डाले। अखिलेश यादव ने सोमवार को एक ट्वीट के माध्यम से यह पांच सवाल किए।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए अखिलेश ने लिखा, ...और 5000 सालों से मन में बसे जातिगत भेदभाव को दूर करने के लिए क्या किया जाएगा?

और वस्त्र, वेशभूषा और प्रतीक चिन्हों के माध्यम से जाति-प्रदर्शन से उपजे जातिगत भेदभाव को मिटाने के लिए क्या किया जाएगा? और किसी के मिलने पर नाम से पहले 'जाति' पूछने की जातिगत भेदभाव की मानसिकता को ख़त्म करने के लिए क्या किया जाएगा? और किसी का घर धुलवाने की जातिगत भेदभाव की सोच का अंत करने के लिए क्या उपाय किया जाएगा? और किसी पर झूठे और अपमानजनक आरोप लगाकर बदनाम करने के जातिगत भेदभाव से भरी साजिशों को समाप्त करने के लिए क्या किया जाएगा?

दरअसल, उत्तर प्रदेश में जातिगत भेदभाव को खत्म करने के लिए सरकार ने सार्वजनिक स्थानों पर जाति का उल्लेख करने पर रोक लगा दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के बाद पुलिस रिकॉर्ड और सार्वजनिक स्थलों पर नाम के साथ जाति का उल्लेख नहीं किया जाएगा। जाति आधारित रैलियों पर भी प्रतिबंध रहेगा।

अखिलेश ने सत्तारूढ़ भाजपा पर तंज कसते हुए सवाल उठाया कि सरकार ने पिछले आठ सालों में जीएसटी के नाम पर जो वसूली की है, क्या वह जनता को नकद दी जाएगी। सपा प्रमुख ने जीएसटी संग्रह को लेकर जनता के हवाले से सवालों की झड़ी लगा दी। उन्होंने जीएसटी की धनराशि लौटाने के लिए दस सवाल पूछे हैं। यादव ने अपने आधिकारिक ÷एक्स÷ खाते पर रविवार देर रात एक पोस्ट में कहा ÷जनता पूछ रही है भाजपा सरकार ने पिछले आठ सालों में जो वसूली जीएसटी के नाम पर की है, वो कुल राशि उप्र भाजपा सरकार के महाकुंभ मॉडल की तरह पुलिस द्वारा घर पर कैश पहुंचाई जाएगी।